अंतर्राष्ट्रीय ध्रुपद मेला 2022

चर्चा में क्यों?

2 मार्च, 2022 को वाराणसी के तुलसीघाट पर आयोजित पाँच दविसीय अंतर्राष्ट्रीय ध्रुपद मेला के 48वें संस्करण का समापन हो गया।

प्रमुख बदिु

- 26 फरवरी, 2022 को तुलसीघाट पर अंतर्राष्ट्रीय ध्रुपद मेले का शुभारंभ महंत प्रो. वश्विंभरनाथ मश्रि एवं उत्तर प्रदेश नाटक अकादमी के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. राजेश्वर आचार्य ने दीप जलाकर कयिा था।
- इस मेले का आयोजन महाराजा बनारस वदि्यान्यास एवं ध्रुपद समति के तत्वावधान में कयिा गया।
- ध्रुपद मेला प्रत्येक वर्ष फरवरी और मार्च महीने में आयोजति कयिा जाने वाला पाँच दविसीय संगीत उत्सव है, जसिमें भाग लेने और अपना प्रदर्शन दखिाने के लयि पूरे भारत से प्रख्यात संगीत कलाकार आते हैं।
- उल्लेखनीय है कि **ध्रुपद हदिुस्तानी शास्त्रीय संगीत में सबसे पुराने प्रकारों में से एक** है, जसिकी महत्त्वपूर्ण वशिषता राग की शुद्धता को बनाए रखने पर ज़ोर देना है।
- परंपरागत रूप से, गायन की **ध्रुपद शैली** तानपुरा और पखावज के साथ प्रदर्शति की जाती थी।
- **बैजू बावरा** मध्यकालीन भारत में एक प्रमुख ध्रुपद संगीतकार थे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-dhrupad-mela-2022